बरिसा कृषि विश्वविद्यालय

चर्चा में क्यों?

हाल ही में झारखंड सरकार द्वारा **बरिसा कृषि विश्वविद्यालय (बीएयू)** के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित ग्यारह उच्च उपज, जल्दी परिपक्व और रोग-कीट प्रतिरोधी फसल किस्में जारी की गईं।

प्रमुख बिंदु

- इन किस्मों को कृषि सचिव, अबुबकर सिद्दीकी की अध्यक्षता में राज्य किस्म विमोचन समिति द्वारा गहन चर्चा और प्रश्नों के अनुपालन के बाद जारी किया गया था।
- इन किस्मों में एक-एक काला चना, अरहर, सोयाबीन, सरसों, बेबी कॉर्न, रागी, दो बैंगन और तीन अलसी शामिल हैं। मौजूदा पारंपरिक किस्मों की तुलना में इन किस्मों की उपज लाभ 15 से 20 प्रतिशत है।
- बीएयू के कुलपति, डॉ. ओंकार नाथ सिंह और निदेशक अनुसंधान, डॉ. ए. वदूद ने बताया कि इन किस्मों से दालों, तिलहनों और सब्जियों के क्षेत्रफल, उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि होगी, क्योंकि गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादकता बढ़ाने में प्रमुख भूमिका निभाते हैं।
- बीएयू फसल प्रजनक, बीज और फार्म निदेशालय, क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, कृषि विज्ञान केंद्र और राज्य के बीज गाँव किसानों को इसकी उपलब्धता बढ़ाने के लिये इन फसलों के बीज उत्पादन हेतु आपस में सहयोग करेंगे।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/birsa-agricultural-university